शिक्षक पोर्टल एवं नवाचार समूह
मध्यप्रदेश

150 करोड़ की हो गई ऑनलाइन एजुकेशन इंडस्ट्री, 95 लाख छात्र जुड़े

अनुराग शर्मा | इंदौर

साल की शुरुआत से अब तक देश में ऑनलाइन एजुकेशन का टर्नओवर 150 करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है। जनवरी से जून तक देश में कुल 95 लाख नए छात्र ऑनलाइन एजुकेशन से जुड़े हैं। ऑनलाइन शिक्षा में आई इस तेजी का बड़ा कारण लॉकडाउन है, जिसने शिक्षा क्षेत्र को बुरी तरह से प्रभावित किया है। आईआईएम इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय और प्रो. प्रशांत सालवान की रिसर्च में ये आंकड़े सामने आए हैं। रिसर्च में आईआईटी, एनआईटी के साथ टेक्निकल एजुकेशन क्वालिटी इम्प्रूवमेंट प्रोग्राम (टीईक्यूआईपी) से जुड़े एमएचआरडी के इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट कॉलेज भी शामिल थे। रिपोर्ट के मुताबिक, ऑनलाइन एजुकेशन और बढ़ेगी। इससे देश में ग्रेजुएट्स की संख्या और उच्च शिक्षा में नामांकन करवाने वाले छात्रों की संख्या में इजाफा होगा।

अफसरों के प्रयोगों की स्थली बने सरकारी स्कूलों को लेकर शिक्षकों की चिंता उभरी

मास्टरों ने उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र का उदाहरण देते हुए लालफीताशाही पर उठाए सवाल

भोपाल ■ राज न्यूज नेटवर्क

राज्य में गर्त की ओर पहुंचती शिक्षा व्यवस्था पर मास्टरों की चिंता उभर कर सामने आई है। आरोप लगाया है कि राज शिक्षा केंद्र व लोक शिक्षण संचालनालय जैसी इकाइयों ने प्रदेश की शिक्षा को नित नए प्रयोग करके बर्बाद करके रख दिया है। इसमें सबसे अहम रोल यहां बैठती लालफीताशाही ने निभाया है। शिक्षकों का कहना है कि आज वे स्वयं को ठगा सा महसूस कर रहे हैं। तर्क दिया कि नींव जितनी मजबूत होगी, इमारत उतनी ही बुलंद होगी। प्रदेश की प्राथमिक शिक्षा को विभाग के अधिकारियों ने प्रयोग स्थली बनकर रख दिया है। नतीजा प्रदेश के नौनिहालों का भविष्य खतरे में नजर आ रहा है। चूंकि नींव से इमारत बनने की इस प्रक्रिया में कई तत्व सहायक की भूमिका अदा करते हैं। जिनमें शिक्षक, पालक और समाज की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। शिक्षा विभाग के लगातार प्रयोगों ने इन तीनों को बेहाल करके रख दिया है। सामाजिक संदर्भों में शिक्षा, किसी व्यक्ति के लिये सांस्कृतिक, संवेगात्मक व भावात्मक विकास को समेटते हुये एक नींव आधार का कार्य करती है। नींव को मजबूती देने वाला विशेषज्ञ शिक्षक ही जब प्रयोगों की मार से घायल हो और उसे स्वतंत्र रूप से शिक्षा देने का अधिकार ही न हो तो देश और प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था का तो भगवान ही मालिक है।

बेकार के प्रयोगों से गर्त की ओर शिक्षा

राज्य शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश यादव का कहना है कि वर्तमान में 1 से 8 तक की शिक्षा व्यवस्था राज्य शिक्षा केन्द्र के हवाले है। शिक्षा विशेषज्ञ भी स्वीकार कर रहे है कि है कि राज्य शिक्षा केन्द्र ने उबाऊ प्रयोगों, परंपरागत शिक्षण पद्धति के विलोपन करने की सुनियोजित चाल चली गई है। आरोप है कि विभाग के अधिकारियों द्वारा व्यक्तिगत लाभ के लिए निशुल्क शिक्षा के तहत गरीब छात्रों के प्रवेश हेतु निजी स्कूलों प्रोत्साहन देने तथा नियम विरुद्ध इन संस्थाओं को मान्यता देने का बड़ा लाभकारी गेम खेला जा रहा है। इससे हालात यह बन रहे हैं कि सरकारी स्कूलों का ग्राफधीरे धीरे संकुचित होता जा रहा है।

अन्य राज्यों की तुलना में पिछड़ रहा है प्रदेश

मप्र शिक्षक संघ के प्रदेश महामंत्री छत्रवीर सिंह राठौर का कहना है कि प्रदेश के सरकारी स्कूल में नर्सरी की सुविधा नहीं है। यहां हिंदी माध्यम में बच्चा 6 वर्ष में प्रवेश लेता है,जबकि निजी स्कूलों में नर्सरी से ही प्रवेश होता है। मध्यप्रदेश में दिल्ली, उत्तर प्रदेश उत्तराखंड जैसे राज्यों की तुलना में अपनी बात रखने का अधिकार शिक्षक को न के बराबर है। जबकि दिल्ली,उप्र, उत्तराखंड जैसे राज्यों में शिक्षकों की परिषदीय रायशुमारी से संचालित होती है। शिक्षा की कमान शिक्षा में लंबा अनुभव रखने वाले विशेषज्ञों को दी जाती है। जबकि प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था की कमान जिनके हाथ में है उनका संबंध शिक्षा से दूर-दूर तक नहीं है।

शिक्षकों से नहीं कोई मशविरा

वरिष्ठ शिक्षक नेता मुरारीलाल सोनी कहते हैं कि शिक्षा व्यवस्था के उपचार के लिए निचले स्तर से शिक्षकों से फीडबैक लिया जाना चाहिए,लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। इस संबंध में शिक्षक प्रतिनिधियों द्वारा विभाग से कई बार पत्राचार किया गया है किंतु विभाग इस बिंदु पर ध्यान नहीं दे रहा है। हम शिक्षा व्यवस्था में सुधारात्मक बदलाव चाहते हैं। वर्तमान में शिक्षकों को विभाग ने कठपुतली बनाकर रख दिया है। यदि विभाग इस विषय पर गंभीर नहीं होता है तो मजबूरी में शिक्षक प्रतिनिधि प्रदेश के मुख्यमंत्री और मंत्री गणों से मिलने को विवश होंगे।

दो शैक्षणिक इकाइयों का नहीं कोई औचित्य

मध्य प्रदेश समग्र शिक्षक संघ भोपाल जिला इकाई के अध्यक्ष महावीर शर्मा का कहना है कि प्रदेश में लोक शिक्षण और राज शिक्षा केंद्र जैसी दो इकाइयां प्रारंभिक से लेकर सेकंडरी कक्षाओं के संचालन की जवाबदारी संभाल रही है। यहां जिन अफसरों के हाथों में प्रदेश की शिक्षा की कमान है उन्हें स्वयं शिक्षा का मैदानी ज्ञान नहीं है। यही कारण है कि राज्य में तेज गति से शिक्षा की बर्बादी हो रही है। उन्होंने कहा है कि वर्तमान में राज्य शिक्षा केंद्र का कोई औचित्य नहीं है। सरकार को इस का विलय कर इसमें लगा हुआ अमला स्कूलों में भेज देना चाहिए, ताकि स्कूलों में शिक्षकों की पूर्ति हो सके।

'अब पढ़ाई नहीं रुकेगी' स्कूल शिक्षा विभाग का ई-बुलेटिन विमोचित

भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग के ई-बुलेटिन 'अब पढ़ाई नहीं रुकेगी' का विमोचन गुरुवार को मंत्रालय में प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा श्रीमती रश्मि अरुण शमी ने किया। प्रमुख सचिव ने कहा कि इस ई-बुलेटिन के माध्यम से अब विभागीय कार्य वैश्विक पटल पर प्रदर्शित होंगे एवं इन कार्यों के संपादन में जुटे हुए मैदानी सहयोगियों का उत्साहवर्द्धन होगा। आयुक्त राज्य शिक्षा केन्द्र लोकेश जाटव ने बताया कि इस ई-बुलेटिन को कोरोना संकटकाल में शैक्षिक गतिविधि विशेषांक के रूप में तैयार किया गया है। विभाग द्वारा माह अप्रैल एवं मई में संचालित विभिन्न गतिविधियों एवं योजनाओं की समाचार स्वरूप जानकारियों के साथ उनसे संबंधित वीडियोए फोटो एवं अन्य जानकारियों के डिजिटल लिंक भी संबंधित खबर के साथ होंगे। जिनके माध्यम से समाचार से संबंधित विस्तृत विवरण देखा एवं पढ़ा जा सकता है। ई-बुलेटिन को मोबाइल या कम्प्यूटर के माध्यम से इंटरनेट गूगल सर्च पर http://bit.ly/2U2pL5u क्लिक कर देखा-पढ़ा जा सकेगा।

12वीं के शेष पेपरों की परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र जारी

जिन विद्यार्थियों के सेंटर बदल गए उनको नया प्रवेश पत्र लेना अनिवार्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र बोर्ड ऑफ सेकंडरी एजुकेशन (एमपीबीएसई) ने 12वीं के शेष पेपरों की एग्जाम के लिए नए प्रवेश पत्र जारी कर दिए हैं। स्टूडेंट्स संबंधित स्कूल के साथ ही एमपी आनलाइन व मोबाइल एप के माध्यम से भी अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। जिन स्टूडेंट्स के सेंटर बदले गए हैं उन्हें नए प्रवेश पत्र लेना अनिवार्य होगा। बाकी सभी स्टूडेंट्स को पुराने प्रवेश पत्र से भी एंट्री मिल सकेगी।

गुरुवार को इस संबंध में माशिमं ने आदेश जारी कर दिए हैं। 12वीं की की परीक्षा 9 जून से दो शिफ्टों में शुरू होगी। माशिमं ने नए प्रवेश-पत्र के संबंध में कहा है कि कि लॉकडाउन या अन्य कारणों से स्टूडेंट्स को जिस जिले में निवासरसत है, वहां से परीक्षा देने की सुविधा दी गई है। जिनके प्रवेश पत्र जारी कर दिए हैं। कुछ स्टूडेंट्स द्वारा उक्त सुविधा हेतु प्रस्तुत ऑनलाइन आवेदन करने के उपरांत अपने पूर्व जिले के एग्जाम सेंटर से ही शामिल होना चाहते हैं तो ऐसे स्टूडेंट्स को स्थानांतरित जिले के जिला शिक्षा अधिकारी को सूचना दी जाए।

सभी परीक्षा केंद्र पर बनाया आइसोलेशन कक्ष

राजधानी के 97 परीक्षा केंद्रो पर होगी परीक्षा

भोपाल जिले में बनाए गए सभी 97 परीक्षा केंद्रो पर परीक्षा आयोजित की जाएगी। जिला शिक्षा अधिकारी नितिन सक्सेना ने बताया कि 97 में से मात्र एक परीक्षा केंद्र में बदलाव किया गया है। नए बदलाव के मुताबिक शासकीय कन्या उमावि जहांगीराबाद में बदलाव किया हैं। अब इस परीक्षा केंद्र की जगह स्टूडेंट्स को टीटी नगर स्थित शासकीय उमावि नूतन सुभाष में परीक्षा देनी होगी। डीईओ ने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर एक आइसोलेशन कक्ष भी बनाया गया हैं। जहां सर्दी-जुकाम, बुखार सहित कोरोना के अन्य लक्षण वाले स्टूडेंट्स को बैठाया जाएगा। माशिमं को तत्काल इसकी सूचना दी जाएगी, जिसके बाद माशिमं आगे का निर्णय लेगा।

अभाविप ने लिखा सीएम को पत्र

कोरोना संक्रमण के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से 9 जून से शुरू होने वाली 12वीं की परीक्षाएं आगे बढ़ाने की मांग की है। अभाविप प्रदेश मंत्री निलेश सोलंकी ने अपने पत्र में सीएम से कहा है कि वर्तमान स्थिति को देखते हुए परीक्षाएं कराना असुरक्षित दिख रहा है।

फीस को लेकर नहीं थम रही निजी स्कूलों की शिकायतें

युवा आयोग की अनुशंसा पर दो निजी स्कूलों को नोटिस

शासन द्वारा फीस को दिशा निर्देश जारी होने के बाद भी प्रदेशभर में स्कूलों द्वारा की जा रही फीस वसूली की शिकायतें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। गुरुवार को स्कूलों की मनमानी की शिकायत मिलने पर युवा के आयोग सदस्य अमित शर्मा ने जिला शिक्षा अधिकारी नितिन सक्सेना से मुलाकात कर आयोग की अनुशंसा का पत्र सौंपा। युवा आयोग सदस्य अमित शर्मा ने बताया किए कुछ अभिभावकों ने आयोग में शिकायत की थी। इसके बाद हमने जिला शिक्षा अधिकारी को पत्र लिखा और मुलाकात की।

आयोग की अभिभावकों से अपील

आयोग ने अभिभावकों से अपील की है कि स्कूल किसी तरह का दबाव बनाए और धमकी दे तो आयोग में शिकायत करें, ऐसे मामलों में निर्देश देकर सीधे एफआईआर कराई जाएगी। जिला शिक्षा अधिकारी नितिन सक्सेना ने फीस नियंत्रण के निर्देश नहीं मानने की शिकायतों पर दो बड़े निजी स्कूलों को नोटिस जारी किया गया।

भास्कर खास • लॉकडाउन के बाद पढ़ाई पूरी कर जा रहे छात्रों का हौसला बढ़ाने का अनोखा तरीका

अनलॉक के बाद निगेटिविटी दूर करने की कोशिश, छात्रों के लिए कार परेड, गिफ्ट, मूवी, वीडियो कॉलिंग अपना रहे शिक्षक

बच्चों के घर के बाहर पहुंचकर कार से ही विदाई भी दे रहे टीचर्स

एजेंसी | शिकागो

कोरोनावायरस के बीच सब कुछ अनलॉक हुआ है, तो स्कूल भी खुल गए हैं। कई बच्चे नर्सरी या अन्य स्कूल की पढ़ाई पूरी कर बड़ी क्लास या दूसरी जगह जा रहे हैं। लेकिन यह साल वैसा नहीं है, जैसा हमेशा होता था। ऐसे में अमेरिका के टीचर्स ऐसे बच्चों के बीच से नकारात्मकता मिटाने की कोशिश कर रहे हैं और उन्हें विदाई देने के लिए अलग-अलग रोचक तरीके आजमा रहे हैं, ताकि इस मौके को यादगार बनाया जा सके।

टेक्सास की टीचर सिखा रहीं- जिंदगी हो या विचार, आगे बढ़ते रहो

टेक्सास के वुडलिले में टीचर कोर्टनी जोंस बच्चों को जिंदगी भर कुछ सीखने के लिए प्रेरित कर रही हैं। उन्होंने बच्चों को स्टेशनरी, कलर, नोटबुक, पेंसिल के आकार का पौधा दिया है। वे कहती हैं, 'मैंने बच्चों को सिखाया है कि जिंदगी हो, या विचार...यात्रा करते रहो। ताकि वे यह समझें कि जिंदगी में हमेशा आगे बढ़ते रहना महत्वपूर्ण है।'

शिकागो की किंडरगार्टन टीचर मैडी यॉम बच्चों के लिए गिफ्ट और गुडी बैग बना रही हैं। इसके अलावा स्कूल टीचर्स ने छात्रों को कार परेड के जरिए यादगार विदाई दी। वे कार से उनके घरों तक पहुंचे और डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए कार से ही उन्हें हैलो, बाय कहा। एक स्कूल ने बच्चों और उनके परिवार के लिए मेमोरी नाम की मूवी बनाई, जिसे वीडियो कॉलिंग के जरिए सभी को दिखाया गया। बच्चों को एक मेमोरी बॉक्स भी दिया गया, जिसमें खिलौने, बीच बॉल्स और अन्य गिफ्ट रखे हुए थे। सैन डियागो में असीसी कैथोलिक स्कूल की टीचर कैटरिना वेडेलीच कहती हैं, हमें बच्चों को सकारत्मक बनाए रखने की कोशिश कर रही हूं। उन्हें बताया कि आगे की जिंदगी कैसी रहने वाली है और हमें कैसे जीना है।' फिलाडेल्फिया में 530 बच्चों वाले स्कूल की प्रिंसिपल लॉरिन जॉय ओवरटन कहती हैं, हम डिजिटल मूविंग अप सेलिब्रेशन करेंगे। हर बच्चों को बोलने का मौका मिलेगा। यह पहले से रिकॉर्ड होगा।' कैलिफोर्निया के क्रॉसरोड स्कूल की टीचर एबी च्यू ने निगेटिविटी दूर करने के लिए बच्चों से अपने साथियों को चिट्ठी लिखने को कहा है।

डीए को लेकर कर्मचारियों ने बारिश के बीच सतपुड़ा पर किया प्रदर्शन

शहर प्रतिनिधि, भोपाल

मंहगाई भत्ते की मांग को लेकर कर्मचारियों ने बारिश के बीच गुरुवार को सतपुड़ा पर प्रदर्शन कर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया गया। मप्र तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष ओपी कटियार ने बतायाकि अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर मंहगाई भत्ते पर लगाई रोक को वापिस लेने, सरकारी विभागों में भर्ती पर अघोषित प्रतिबंध हटाए जाने, सरकारी विभागों के निजीकरण, बिजली संशोधन बिल को वापिस लेने, छंटनी किए कर्मचारियों की बहाली, सभी अप्रिय श्रम कानूनों संशोधनों को रद्द करने व वापस लेने, कोविड 19 महामारी के खिलाफ काम करने वाले कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, प्रदेश सरकार द्वारा जुलाई 19 के डीए स्थगन आदेश को समाप्त करने, सातवें केंद्रीय वेतनमान के एरियर की अंतिम किस्त का भुगतान करने, सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों के स्वत्वो का भुगतान करने, स्थाई कर्मियों को संविदा पर नियुक्ति के स्थान पर सेवा वृद्धि करने, पदोन्नत पदनाम दिए जाने आदि मांगों को लेकर प्रदेश भर में सरकारी कर्मचारियों द्वारा जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर लक्ष्मीनारायण शर्मा, विजय सिंह रघुवंशी, राजमणि कुशवाहा समेत अन्य मौजूद थे।

स्वास्थ्य कर्मचारी आज मनाएंगे काला दिवसः संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी नियमितिकरण की मांग पूरी नहीं होने पर शुक्रवार को काला दिवस मनाएंगे। संघ के अध्यक्ष सौरभ चौहान ने बताया कि नियमितकरण को लेकर सभी संविदा कर्मचारी काली पट्टी बांधकर काम करेंगे। शाम पांच बजे राष्ट्रध्वज को सलामी देंगे।

छात्रवृत्ति अटकने से 18 हजार विद्यार्थी नहीं जमा कर पा रहे परीक्षा फीस

फाइल फोटो

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति का कहना है कि फीस जमा नहीं होने की स्थिति में भी विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हो सकेंगे।

मेरी शिक्षा

इंदौर/भोपाल • डीबी स्टार

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) ने बीई सहित अन्य कोर्स की परीक्षा की तारीखें घोषित कर दी हैं। 23 जून से शुरू होने वाली परीक्षा के लिए विवि ने परीक्षा फॉर्म जमा करने की तारीख बढ़ाई है। लेकिन पचास फीसदी से कम परीक्षा फॉर्म जमा हुए हैं। इसकी एक वजह छात्रों को सरकार की ओर से मिलने वाली स्कॉलरशिप नहीं मिलना और दूसरा कारण कॉलेजों द्वारा फीस जमा न होने पर उनके फॉर्म विश्वविद्यालय को फॉरवर्ड न होना है। आरजीपीवी की इस परीक्षा में करीब 36 हजार स्टूडेंट्स शामिल होने हैं। स्टूडेंट्स का कहना है कि लॉकडाउन में परिजन की आय प्रभावित हुई। ऐसे में फीस और परीक्षा फॉर्म तत्काल जमा करना उनके लिए मुश्किल है।

पॉलिटेक्निक कॉलेज में विलंब शुल्क का फरमान

आरजीपीवी के अंतर्गत संचालित पॉलिटेक्निक ने भी दूसरे, चौथे, छठे सेम के छात्रों से फीस जमा करने के लिए एक आदेश जारी किया है। उसमें कहा है कि उन्हें ट्यूशन फीस, बस फीस और अन्य फीस ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से जमा करना है। 10 जून तक जो छात्र फीस जमा नहीं करेगा उसे विलंब शुल्क का भुगतान करना होगा। इस मामले में पॉलिटेक्निक के प्राचार्य आरके श्रीवास्तव ने बताया कि अभी लेट फीस तय नहीं की है। फीस जमा हो जाए, इसलिए यह सामान्य आदेश निकाला है। कुछ स्टूडेंट्स स्कॉलरशिप मिलने के बाद भी फीस जमा नहीं करते हैं। लेकिन फीस जमा नहीं होने के कारण परीक्षा से किसी भी छात्र को वंचित नहीं किया जाता है।

लॉकडाउन में जॉब गई तुरंत फीस कैसे जमा करें

आरजीपीवी में फॉर्म जमा करने की अंतिम तारीख 8 जून है। छात्रों के ऊपर फीस जमा करने का लगातार दबाव बढ़ रहा है। एक छात्र ने बताया कि वह बी.फार्मेसी कर रहा है। वह जॉब के साथ पढ़ाई करता है। लॉकडाउन में जॉब चली गई। ऐसे में अभी फीस जमा नहीं कर पा रहा है। अन्य छात्रों के परिजनों की आमदनी बंद होने के कारण वे फीस जमा नहीं कर पा रहे हैं।

फीस जमा नहीं होने पर परीक्षा से नहीं होंगे वंचित

फीस जमा नहीं होने के कारण छात्र परीक्षा में शामिल होने से वंचित नहीं होंगे। इस संबंध में शासन स्तर पर चर्चा की जा रही है। उम्मीद है कि छात्रों को स्कॉलरशिप जल्द ही जारी हो सकेगी।

प्रो. सुनील कुमार, कुलपति आरजीपीवी

एग्जाम हॉल में एक मीटर के अंतराल पर बैठेंगे परीक्षार्थी, जानकारी देने विभाग ने लिंक जारी किया

कॉलेज स्टूडेंट जिस जिले में फंसे, वहीं देंगे परीक्षा

भोपाल/ग्वालियर • **डीबी स्टार**

प्रदेश में कॉलेजों की परीक्षाओं को लेकर स्थिति स्पष्ट हो गई है। स्नातक कोर्स के फाइनल ईयर और स्नातकोत्तर के चौथे सेमेस्टर का परीक्षा कार्यक्रम जारी हो गया है। ये परीक्षाएं 29 जून से 31 जुलाई के बीच कराई जाएंगी। इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग ने गाइडलाइन भी जारी कर दी है। इसके अनुसार छात्रों को परीक्षा हॉल में एक-दूसरे से एक मीटर की दूरी पर बैठाया जाएगा। इस दूरी के हिसाब से प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर कितने छात्र बैठाए जा सकते हैं, इसका हिसाब लगाने के निर्देश भी उच्च शिक्षा विभाग ने दिए हैं। यूनिवर्सिटी परिक्षेत्र में कोई छात्र अपने कॉलेज या परीक्षा केंद्र के अलावा दूसरे जिले में फंसा है, तो वह उसी जिले में परीक्षा दे सकेगा। इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग की वेबसाइट पर लिंक जारी की गई है, जिसमें छात्र को अपनी जानकारी अपलोड करना होगी। इस संबंध में जानकारी देने के लिए उच्च शिक्षा विभाग की ओर से सभी छात्रों को एसएमएस भी भेजा जाएगा। परीक्षा आयोजित करने को लेकर केंद्र बनाने की कवायद चल रही थी, लेकिन इसमें सबसे बड़ी समस्या परीक्षार्थियों को बैठाने को लेकर की थी। यह तय नहीं हो पा रहा था कि दो परीक्षार्थियों के बीच कितनी दूरी रखी जाए कि जिससे कोरोना के संक्रमण का खतरा न रहे। हालांकि अब उच्च शिक्षा विभाग ने निर्देश जारी कर दिए हैं कि दो छात्रों के बीच दूरी एक मीटर होना चाहिए। इतनी दूरी के हिसाब से इसकी गणना की जा सकती है कि एक परीक्षा केंद्र पर कितने छात्र परीक्षा में शामिल हो सकते हैं।

तीन गुना एग्जाम सेंटर

नए सीटिंग अरेंजमेंट से एग्जाम कराने के लिए परीक्षा केंद्रों की संख्या तीन गुना करना पड़ेगी। उसी अनुपात में स्टॉफ और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था भी एग्जाम सेंटर पर जुटानी होगी।

विवि को निर्देश दिए गए हैं

कॉलेज स्टूडेंट्स की परीक्षा कराने को लेकर राजभवन में बैठक हुई थी। उसके बाद इस संबंध में सभी विश्वविद्यालयों को निर्देश जारी किए गए हैं। उसमें उन्हें कोविड-19 के नियमों को ध्यान में रखकर परीक्षा आयोजित करने के लिए कहा गया है।

अनुपम राजन, प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा

माशिमं ने बारहवीं के विद्यार्थियों को जारी किए नए प्रवेश पत्र

शहर प्रतिनिधि, भोपाल। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल ने स्थगित बारहवीं परीक्षाओं के नए प्रवेश पत्र जारी कर दिए है। प्रवेश पत्र संबंधित स्कूल से प्राप्त कर सकते है। इसके अलावा एमपी आनलाइन व मोबाइल एप के माध्यम से डाउनलोड कर सकते है। माशिमं की बारहवीं की स्थगित परीक्षा 9 जून से दो पालियों में शुरू होगी। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल ने नए प्रवेश-पत्र के संबंध में कहा है कि कि लॉकडाउन या अन्य कारणों से विद्यार्थियों को जिस जिले में निवासरसत है, वहां से परीक्षा देने की सुविधा दी गई है। जिनके प्रवेश पत्र जारी कर दिए है। कुछ छात्रों द्वारा उक्त सुविधा हेतु प्रस्तुत आनलाइन आवेदन करने के उपरांत अपने पूर्व जिले के परीक्षा केंद्र से ही शामिल होना चाहते, तो ऐसे छात्रों को परीक्षा केंद्र पर उपस्थित होने की स्थिति में परीक्षा में शामिल कराते हुए स्थानांतरित जिले के जिला शिक्षा अधिकारी को सूचना दी जाए। उक्त छात्रों के अतिरिक्त भी यदि किसी छात्र द्वारा निर्धारित तिथि में आनलाइन आवेदन नहीं कर सका है, तो ऐसे छात्रों को जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा छात्र के आवेदन पर परीक्षा में शामिल कराकर सूचित करेंगे। सोशल डिस्टेंसिंग के पालन को लेकर जिले में (संपूर्ण केंद्र परिवर्तन को छोड़कर) निर्धारित उप केंद्र पर शामिल छात्रों के प्रवेश-पत्र मूल परीक्षा केंद्र के नाम से ही जारी किए जा रहे है। संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी एवं केंद्राध्यक्ष छात्रों को उप केंद्र की जानकारी देते हुए सभी छात्रों को परीक्षा केंद्र में शामिल कराना सुनिश्चित करें। जिन जिलों में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन के लिए संपूर्ण परीक्षा केंद्र परिवर्तित किए है, उन छात्रों के प्रवेश पत्र नवीन परीक्षा केंद्र अंकित कर जारी किए गए है।

स्कूल शिक्षा विभाग की प्रमुख सचिव ने लोकार्पण कर गिनाये फायदे

प्रदेश में स्कूली बच्चों के लिए ई-बुलेटिन मील का पत्थर साबित होगा

भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग के ई बुलेटिन से पढ़ाई नहीं रूकेगी का लोकार्पण गुरुवार को मंत्रालय में प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा विभाग रश्मि अरूण शमी ने किया। ई बुलेटिन का लोकार्पण करते हुए प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा विभाग की प्रमुख सचिव ने कहा किए यह एक महत्वपूर्ण कार्य है। जिससे विभागीय कार्य वैश्विक पटल पर प्रदर्शित होंगे एवं इन कार्यों के संपादन में जुटे हुए मैदानी सहयोगियों का उत्साहवर्धन भी होगा।उन्होंने कहा है कि यह सिस्टम प्रदेश में मील का पत्थर साबित होगा। इससे जहां बच्चों के अनेक फायदे छिपे हैं तो सिस्टम की मजबूती में भी एक नए युग का उदय होगा। मौके पर आयुक्त राज्य शिक्षा केंद्र लोकेश कुमार जाटव ने बताया कि इस ई बुलेटिन को कोरोना संकटकाल में शैक्षिक गतिविधि विक के रूप में तैयार किया गया है। विभाग के द्वारा माह अप्रैल एवं मई में संचालित विभिन्न गतिविधियों एवं योजनाओं की समाचार स्वरूप जानकारियों के साथ ही उनसे संबंधित वीडियो, फोटोज एवं अन्य जानकारियों के डिजिटल लिंक भी संबंधित खबर के साथ ही इस बुलेटिन में दिए गए हैं। जिनके माध्यम से समाचार से संबंधित विस्तृत विवरण देखा एवं पढ़ा जा सकता है।इस अवसर पर राज्य शिक्षा मार जाटवए उप सचिव स्कूल शिक्षा विभाग अनुभा श्रीवास्तव, संयुक्त संचालक धीरेन्द्र चतुर्वेदी, उप संचालक डॉ अशोक पारिक, सुबोध श्रीवास्तव एवं बुलेटिन के संपादक अमिताभ अनुरागी सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

12वीं की बोर्ड परीक्षा देने वाले छात्रों के नए प्रवेश पत्र जारी

कंटेनमेंट क्षेत्र के छात्रों को अलग कक्ष में बैठाएंगे, बस भी घर लेने-छोड़ने जाएगी

स्टार समाचार | भोपाल

मध्य प्रदेश में हायर सेकेंडरी सर्टिफिकेट और हायर सेकेंडरी व्यावसायिक (वोकेशनल कोर्स) पाठ्यक्रम की परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों के नवीन प्रवेश पत्र गुरुवार को जारी कर दिए गए। यह सभी शेष विषयों और परिवर्तित जिले के नाम के साथ हैं। अपने निवास के वर्तमान स्थान से अन्य स्थानों पर विस्थापित छात्रों को विशेष परिस्थितियों में वर्तमान में जिस जिले में रह रहे हैं, उसी जिले में परीक्षा देने की सुविधा दी गई है। इसके लिए आवेदन करने के बाद अगर वे पूर्व जिले के परीक्षा केंद्र से ही पेपर देना चाहते हैं, तो ऐसे छात्रों के परीक्षा केंद्र पर उपस्थित होने की स्थिति में स्थानांतरित जिले के जिला शिक्षा अधिकारी को इसकी जानकारी दें।

इसके अतिरिक्त अगर कोई छात्र ऑनलाइन आवेदन नहीं कर सका है, तो उसे भी इसकी सुविधा मिलेगी। ऐसे छात्रों को जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा छात्र के आवेदन पर परीक्षा में सम्मिलित कराकर मंडल को सूचना देनी होगी। गुरुवार को सभी छात्रों के नए प्रवेश पत्र जारी कर दिए हैं। वे एमपी ऑनलाइन पोर्टल और मोबाइल एप से प्रवेश पत्र प्राप्त कर सकते हैं। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा कंटेनमेंट क्षेत्र में रहने वाले बच्चों को चिन्हित किया जा रहा है। कंटेनमेंट क्षेत्र में रहने वाले छात्रों के आने-जाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा बस या अन्य वाहन का इंतजाम किया जाएगा। इसके अलावा कंटेनमेंट क्षेत्र के छात्रों को परीक्षा केंद्र में एक अलग कक्ष में बैठाया जाएगा। परीक्षा केंद्र पर साबुन, पानी व सैनिटाइजर का इंतजाम किया जाएगा।

हर केंद्र पर होगा आइसोलेशन रूम, अधिक तापमान वाले परीक्षार्थी को उसी में बैठाकर दिलाएंगे परीक्षा

दूसरे जिलों के 93 छात्रों के लिए भोपाल में बनाए 3 केंद्र

बाहरी जिलों के 93 छात्रों की परीक्षा के लिए भोपाल में 3 केंद्र बनाए हैं। मॉडल स्कूल टीटी नगर में 50, कमला नेहरू कन्या स्कूल टीटी नगर में 40 और शा. बैरसिया में 3 छात्र परीक्षा देंगे। प्रदेशभर में 9 हजार छात्रों ने केंद्र बदलने मंडल को आवेदन किया है। प्रदेशभर में 3500 परीक्षा केंद्र हैं। 12वीं की परीक्षा में 8.50 लाख छात्र शामिल होंगे। परीक्षा की समीक्षा को लेकर बुधवार को स्कूल विभाग की पीएस रश्मि अरुण शमी ने सभी डीईओ से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चर्चा की है।

परिवहन की सुविधा भी उपलब्ध हो सकेगी

जरूरत पड़ने पर परीक्षार्थियों को परिवहन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। केंद्र बदलने पर परिवहन की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। इसके लिए मुख्यालयों को 4-4 लाख का अतिरिक्त भुगतान होगा।

मनोवैज्ञानिक की मदद से भगाया जा रहा डर

जिला शिक्षा अधिकारी सक्सेना ने बताया कि परीक्षा में ड्यूटी करने के लिए भोपाल जिले के स्टाफ मेंबर में डर है। इसके लिए मनोवैज्ञानिक की मदद ली गई है। उन्हें कोरोना से बचाव के तरीकों के बारे में बताया।

डीईओ को आवेदन कर केंद्र बदल सकते हैं छात्र

किसी भी छात्र या उसके परिवार के सदस्य को क्वारेंटाइन किया गया है या जो छात्र कोरोना पॉजिटिव हैं, उन्हें छोड़कर कंटेनमेंट क्षेत्र में रहने वाले अन्य सभी छात्र 12वीं की परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। इन्हें मंडल द्वारा जारी प्रवेश पत्र के आधार पर बिना रोक-टोक के कंटेनमेंट एरिया से परीक्षा केंद्र तक आने-जाने की मंजूरी दी गई है। इस संबंध में सभी कलेक्टर्स को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। इसके अलावा कोई छात्र अपने निवास स्थान पर नहीं है और वह अब भी वर्तमान लोकेशन पर स्थित किसी केंद्र पर परीक्षा में शामिल होना चाहता है तो उसे जिला शिक्षा अधिकारी को आवेदन करना होगा। क्योंकि कई छात्र ऑनलाइन आवेदन नहीं कर सके थे। बाद में इसकी जानकारी मंडल को उपलब्ध कराई जाएगी।

हायर सेकण्डरी के शेष विषयों की परीक्षा 9 से

सीधी(नवस्वदेश)। जिला शिक्षा अधिकारी ने जानकारी देकर बताया कि माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा हायर सेकण्डरी और हायर सेकण्डरी व्यवसायिक परीक्षा- 2020 की शेष विषयों की परीक्षाओं का (सामान्य एवं दिव्यांग छात्रों के लिये) परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। परीक्षाएँ 9 जून से 16 जून तक संचालित की जाएंगी।

सभी प्राचार्यों को निर्देशित किया गया है कि सभी संबंधित विद्यार्थियों को परीक्षा कार्यक्रम की जानकारी देना सुनिश्चित करें। परीक्षार्थी परीक्षा की तिथि एवं समय मंडल की वेबसाइट पर देख सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि कोविड-19 के संक्रमण को देखते हुए मंडल द्वारा 20 मार्च से 31 मार्च तक आयोजित होने वाली समस्त परीक्षाएँ स्थगित कर दी गई थीं।

परीक्षा केंद्रों में सभी के लिए अनिवार्य होगा मास्क, छात्रों की होगी स्क्रीनिंग

नगरीय निकाय व जनपद पंचायत परीक्षा केंद्रों को करेंगे सेनेटाइज 9 जून से होने वाली बोर्ड परीक्षा की तैयारियों का कलेक्टर ने लिया जायजा

जागरण, रीवा

माध्यमिक शिक्षा मण्डल की हायर सेकेण्डरी परीक्षा के शेष प्रश्नपत्रों की परीक्षा 9 से 16 जून तक होनी है। इस परीक्षा की तैयारी को लेकर गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक हुई। आयोजित बैठक में कलेक्टर बसंत कुर्रे ने बोर्ड परीक्षा तैयारियों की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि सभी केन्द्राध्यक्षों को परीक्षा संचालित करने का अच्छा अनुभव है, लेकिन कोरोना संक्रमण को दृष्टिगत रखते हुए परीक्षा के संबंध में कई नये निर्देश जारी किये गये हैं। सभी केन्द्राध्यक्ष परीक्षा केन्द्रों में कोरोना संक्रमण से बचाव के उचित प्रबंध करें। परीक्षार्थियों के लिए शारीरिक दूरी एक मीटर बनाकर बैठने की व्यवस्था करें। परीक्षा केन्द्रों में शिक्षकों, अन्य कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों के लिए मास्क पहनना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र की परीक्षा के बाद परीक्षा केन्द्र के सभी कक्षों को सेनेरटाइज किया जायेगा। इसकी व्यवस्था शहरी क्षेत्र में नगरीय निकाय तथा ग्रामीण क्षेत्र के परीक्षा केन्द्रों में जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी करेंगे। सभी परीक्षा केन्द्रों में सुरक्षा के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा।

कलेक्टर ने कहा कि सभी केन्द्राध्यक्ष अच्छी गुणवत्ता की थर्मल स्क्रीनिंग, थर्मामीटर की तत्काल व्यवस्था कर लें। प्रत्येक विद्यार्थी की थर्मल स्क्रीनिंग के बाद ही उसे परीक्षा केन्द्र में प्रवेश दिया जायेगा। स्क्रीनिंग के दौरान यदि किसी विद्यार्थी में सर्दी, खांसी अथवा बुखार के लक्षण पाये जाते हैं तो उसे अलग कक्ष में बैठकर परीक्षा देने की व्यवस्था करें। थर्मल स्क्रीनिंग के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी प्रत्येक परीक्षा केन्द्र में स्वास्थ्यकर्मी तैनात करें। यदि किसी विद्यार्थी को स्वास्थ्य संबंधी कठिनाई है तो केन्द्राध्यक्ष तत्काल बीएमओ से सम्पर्क कर उपचार की व्यवस्था करायेंगे।

छात्रों के मन से भय दूर करें केंद्राध्यक्ष : बैठक में कलेक्टर ने कहा कि कोरोना संक्रमण के कारण परीक्षा देने वाले तथा परीक्षा लेने वाले दोनों के मन में कहीं न कहीं भय होगा। सभी केन्द्राध्यक्ष इस भय को दूर कर सुगमता से बोर्ड परीक्षाओं का संचालन करें। इसमें यदि किसी तरह की कठिनाई आती है तो तत्काल हम सबको अवगत करायें। हर समस्या का तत्काल समाधान किया जायेगा। प्रत्येक परीक्षा केन्द्र के लिए राजस्व अधिकारी तैनात किये गये हैं। इनके सतत सम्पर्क में रहकर परीक्षा केन्द्र की व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करें।

1 घंटे पहले केंद्र में पहुंचें छात्र

बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी आरएन पटेल ने बोर्ड परीक्षाओं के लिए प्रबंधों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सभी केन्द्राध्यक्ष प्रश्नपत्रों का भौतिक सत्यापन कर लें। संवेदनशील परीक्षा केन्द्रों में प्रेक्षक की तैनाती रहेगी। साथ ही वीडियोग्राफी भी की जायेगी। परीक्षा शुरू होने से एक घंटा पूर्व परीक्षार्थी का केन्द्र में आना आवश्यक होगा, जिससे उसकी थर्मल स्क्रीनिंग की जा सके। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आरएस पाण्डेय, डीपीसी सुदामा गुप्ता, सहायक संचालक पीएल मिश्रा, जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा सभी केन्द्राध्यक्ष उपस्थित रहे।

आवेदन नहीं किया, फिर भी छात्र को करें परीक्षा में शामिल

बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अर्पित वर्मा ने कहा कि प्रत्येक केन्द्र में केन्द्राध्यक्ष कम से कम 50 सूती मास्क की व्यवस्था कर लें। यदि कोई परीक्षार्थी भूलवश मास्क नहीं लाता है तो उसे मास्क देकर परीक्षा में शामिल करायें। परीक्षा केन्द्र में केन्द्राध्यक्ष सहित सभी व्यक्तियों द्वारा मोबाइल फोन का उपयोग पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। परीक्षा केन्द्र में पान, गुटखा, तम्बाकू आदि का उपयोग भी पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। जिले में कंटेनमेंट एरिया घोषित होने के कारण चार परीक्षा केन्द्रों के स्थान में परिवर्तन किया गया है। इसकी सूचना उन केन्द्रों के परीक्षार्थियों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। लॉकडाउन के कारण जिले में फंसे हुए 269 अन्य जिलों के परीक्षार्थियों ने बोर्ड परीक्षा में शामिल होने के लिए आवेदन किया है। इनके लिए निर्धारित परीक्षा केन्द्रों में व्यवस्था की गई है। इनके अलावा भी यदि दूसरे जिले में परीक्षा में शामिल कोई ऐसा परीक्षार्थी आता है, जिसने ऑनलाइन आवेदन नहीं किया है किन्तु परीक्षा में शामिल होना चाहता है तो उसे केन्द्राध्यक्ष परीक्षा में शामिल करायें। साथ ही इसका अनुमोदन वरिष्ठ अधिकारियों से प्राप्त करें। सभी परीक्षा केन्द्रों में स्वच्छ शौचालय की भी व्यवस्था करायें। सीईओ ने कहा कि प्रत्येक परीक्षार्थी को अपने घर से पीने का पानी लेकर आने की सलाह दें। साथ ही परीक्षा केन्द्र में स्वच्छता के साथ कागज के डिस्पोजल ग्लास में परीक्षार्थियों को पेयजल देने की व्यवस्था करें।

जिले में 99 केन्द्रों में होगी 12वीं की परीक्षा

कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए माशिमं की 10वीं, 12वीं तथा व्यावसायिक परीक्षा पाठ्यक्रम की परीक्षा के 20 मार्च से 31 मार्च तक के प्रश्नपत्र स्थगित कर दिये गये थे। इनकी परीक्षा जिले के 99 परीक्षा केन्द्रों में दो पालियों में 9 जून से 16 जून तक आयोजित की जा रही है। लॉकडाउन के कारण अन्य जिलों के परीक्षा केन्द्रों के रीवा जिले में रह रहे परीक्षार्थी भी इसमें शामिल हो सकेंगे। इस संबंध में डीईओ आरएन पटेल ने बताया कि हायर सेकेण्डरी तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रम की समय सारिणी निर्धारित कर दी गई है। जिसके अनुसार परीक्षा प्रतिदिन दो पालियों में प्रातः 9 से दोपहर 12 बजे तथा दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक होगी। मंगलवार 9 जून को प्रथम पाली में केमेस्ट्री तथा दूसरी पाली में भूगोल के पेपर होंगे। बुधवार 10 जून को प्रथम पाली में बुक कीपिंग एवं एकाउंटेंसी तथा दूसरी पाली में वोकेशनल कोर्स का प्रथम प्रश्नपत्र होगा। गुरुवार 11 जून को केवल प्रथम पाली में बॉयलाजी का पेपर होगा। बताया गया कि शुक्रवार 12 जून को प्रथम पाली में व्यावसायिक अर्थशास्त्र तथा दूसरी पाली में एनीमल हस्बैन्ड्री मिल्क ट्रेड पोल्ट्री फार्मिंग एवं फिसरीज का पेपर होगा। शनिवार 13 जून को प्रथम पाली में राजनीति शास्त्र तथा दूसरी पाली में शरीर रचना क्रिया विज्ञान, स्टिल लाइफ एण्ड डिजाइन तथा वोकेशनल कोर्स का दूसरा प्रश्नपत्र होगा। सोमवार 15 जून को प्रथम पाली में हायर मैथमैटिक्स तथा दूसरी पाली में विज्ञान के तत्व, भारतीय कला का इतिहास, वोकेशनल कोर्स का तीसरा प्रश्नपत्र होगा। परीक्षा के अंतिम दिन मंगलवार 16 जून को प्रथम पाली में अर्थशास्त्र तथा दूसरी पाली में क्राप प्रोडक्शन एण्ड हार्टीकल्चर के पेपर होंगे। सभी परीक्षार्थियों को यथा संभव घर से ही पेयजल लेकर आने की सलाह दी गई है।

ऑनलाइन प्राप्त कर सकेंगे प्रवेश पत्र

सभी परीक्षार्थियों को केन्द्राध्यक्ष प्रवेश पत्र जारी करेंगे। जानकारी दी गई कि 12वीं के शेष विषयों की परीक्षा के लिए दूसरे प्रवेश पत्र माशिमं ने जारी कर दिए हैं। जिला परिवर्तन किए गए छात्रों के भी नवीन प्रवेश पत्र माशिमं ने जारी किए हैं। छात्र संबंधित विद्यालय के अलावा एमपी ऑनलाइन पोर्टल व मोबाइल एप के माध्यम से भी प्रवेश पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

हायर सकेण्डरी तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रम की शेष प्रश्नपत्रों की बोर्ड परीक्षा 9 जून से

जिले में 99 परीक्षा केन्द्रों में होंगी हायर सेकेण्डरी बोर्ड की परीक्षा

रीवा(नव स्वदेश)। कोरोना संक्रमण के कारण मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा संचालित हायर सेकेण्डरी परीक्षा तथा व्यावसायिक परीक्षा पाठक्रम की परीक्षा के 20 मार्च से 31 मार्च तक के प्रश्नपत्र स्थगित कर दिये गये थे। इनकी परीक्षा जिले के 99 परीक्षा केन्द्रों में दो पालियों में 9 जून से 16 जून तक आयोजित की जा रही है। कोरोना संक्रमण से बचाव के शासन के निर्देशों का पालन करते हुए परीक्षा आयोजित की जा रही है। परीक्षा केन्द्र में प्रवेश करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को मास्क पहनना अनिवार्य होगा। थर्मल स्क्रीनिंग के बाद ही परीक्षा केन्द्र में प्रवेश दिया जायेगा। परीक्षा कक्ष में एक मीटर की फिजिकल दूरी बनाकर परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था रहेगी। लॉकडाउन के कारण अन्य जिलों के परीक्षा केन्द्रों के रीवा जिले में रह रहे परीक्षार्थी भी इसमें शामिल हो सकेंगे। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी आरएन पटेल ने बताया कि हायर सेकेण्डरी तथा व्यावसायिक पाठक्रम की समय सारिणी निर्धारित कर दी गई है। जिसके अनुसार परीक्षा प्रतिदिन दो पालियों में प्रात- 9 से दोपहर 12 बजे तथा दोपहर 2 से शाम पांच बजे तक होगी। प्रत्येक परीक्षार्थी को परीक्षा शुरू होने से पूर्व परीक्षा केन्द्र में पहुंचना आवश्यक होगा। मंगलवार 9 जून को प्रथम पाली में केमेस्ट्री तथा दूसरी पाली में भूगोल के पेपर होंगे। बुधवार 10 जून को प्रथम पाली में बुक कीपिंग एवं एकाउटेंसी तथा दूसरी पाली में वोकेशनल कोर्स का प्रथम प्रश्नपत्र होगा। गुरूवार 11 जून को केवल प्रथम पाली में बॉयलाजी का पेपर होगा। जिला शिक्षाधिकारी ने बताया कि शुक्रवार 12 जून को प्रथम पाली में व्यावसायिक अर्थशास्त्र तथा दूसरी पाली में एनीमल हस्बैन्ड्री मिल्क ट्रेड पोल्ट्री फार्मिंग एवं फिसरीज का पेपर होगा। शनिवार 13 जून को प्रथम पाली में राजनीति शास्त्र तथा दूसरी पाली में शरीर रचना क्रिया विज्ञान, स्टिल लाइफ एण्ड डिजाइन तथा वोकेशनल कोर्स का दूसरा प्रश्नपत्र होगा।

सोमवार 15 जून को प्रथम पाली में हायर मैथमैटिक्स तथा दूसरी पाली में विज्ञान के तत्व, भारतीय कला का इतिहास, वोकेशनल कोर्स का तीसरा प्रश्नपत्र होगा। परीक्षा के अंतिम दिन मगंलवार 16 जून को प्रथम पाली में अर्थशास्त्र तथा दूसरी पाली में क्राप प्रोडक्शन एण्ड हार्टीकल्चर के पेपर होंगे। सभी परीक्षार्थियों को केन्द्राध्यक्ष प्रवेश पत्र जारी करेंगे। जिला शिक्षा अधिकारी ने परीक्षार्थियों से कोरोना संक्रमण के बचाव के उपायों का पालन करने तथा यथा संभव घर से ही पेयजल लेकर आने की सलाह दी है।

शिक्षकों का अगवा करने वाला डकैत गिरफ्तार

स्टार समाचार | सतना

तीन साल पहले दो शिक्षकों का अपहरण कर फिरौती वसूलने की वारदात में शामिल डकैत को पुलिस ने बांदा जिले से धर दबोचा। डकैत की गिरफ्तारी पर पुलिस अधीक्षक के द्वारा 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। इस संबंध में पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक रियाज इकबाल के निर्देश पर फरार चल रहे दस्यु दलों के सदस्यों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत नयागांव पुलिस को सूचना मिली कि नवल धोबी गैंग का फरार डकैत बांदा में रह रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने दबिश देकर 10 हजार के इनामी डकैत शंकर रैदास पिता संतोष उर्फ कट्टा रैदास 40 वर्ष निवासी खुरहन मकरी थाना गेरुआ जिला बांदा को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के विरुद्ध नयागांव थाना में अपराध क्र. 162/17 धारा 364ए 34 आईपीसी, 25/27 आर्म्स एक्ट एवं 11/13 एडी एक्ट के तहत प्रकरण कायम था। गिरफ्तारी में नयागांव थाना प्रभारी आशीष धुर्वे, एसआई राजेन्द्र कुशवाहा, प्रधान आरक्षक शिव दयाल बागरी, आरक्षक प्रबल प्रताप सिंह, मुन्ना सिंह, श्याम सिंह, तान सिंह शामिल रहे।

पहले ही पकड़ा जा चुका है गैंग लीडर

वर्ष 2017 में नवल धोबी गैंग ने थरपहाड़ स्कूल से लौटते समय शिक्षक फूल सिंह गोड़ और राम प्रताप पटेल का अपहरण कर फिरौती वसूली थी। पुलिस के द्वारा गैंग लीडर नवल के अलावा उसके साथ दिनेश धोबी, दीपक शिवहरे, रिंकू उर्फ रवि शिवहरे, पप्पू रैदास को गिरफ्तार कर पुलिस पूर्व में जेल भेज दिया गया था। 10 हजार का इनामी शंकर जंगल छोड़कर बांदा में रहकर पल्लेदारी का काम करने लगा।

ठोकिया के बाद थामा नवल का हाथ

शंकर रैदास इनकांउटर में मारे जा चुके खाकी किलर कुख्यात डकैत ठोकिया उर्फ अंबिका पटेल गिरोह का कैजुअल मेम्बर था। शंकर के द्वारा ठोकिया गिरोह के लिए रसद सामग्री पहुंचाने का काम किया जाता था। ठोकिया के खात्मे के बाद शंकर ने जंगल छोड़ दिया था। कई साल बाद नवल धोबी की गैंग में शामिल होकर बंदूक थामी थी।

हायर सेकण्डरी के छात्रों ने लहराई तख्तियां, मौत के मुंह में मत भेजो

नगर संवाददाता | रीवा

हायर सेकण्डरी के शेष विषयो की परीक्षा नौ जून से आयोजित किए जाने का कुछ छात्रों ने विरोध शुरु कर दिया है। दर्जन भर छात्रों ने कलेक्ट्रेट पहुंच तख्तियां लहराईं। इन तख्तियों के माध्यम से यह बताने का प्रयास किया गया है कि परीक्षाओं के लिए यह समय उपयुक्त नहीं है। तख्तियों में लिखा था कि मामाजी हम भांजों को मौत के मुंह में मत भेजिए।

इन छात्रों ने नौ जून से होने वाली परीक्षा का विरोध दर्ज कराते हुए कहा कि जब कोरोना के काफी कम मरीज थे, तब परीक्षा को स्थगित कर दिया गया। अब जब प्रदेश में कोरोना के मरीजों की संख्या साढ़े आठ हजार से ज्यादा पहुंच गई है, तो ऐसे समय में परीक्षा कराई जा रही है। छात्रों ने कहा कि हम परीक्षा का बहिष्कार करते हैं। दूसरे राज्यों की तरह या तो जनरल प्रमोशन दिया जाए या फिर स्थितियां सामान्य होने के बाद पेपर कराए जाएंगे। फिलहाल परीक्षा का निर्णय बदला जाना चाहिए।

कई तरह की समस्याएं

छात्र राज द्विवेदी ने कहा कि यह समय परीक्षाओं के लिए बिल्कुल भी उपयुक्त नहीं है। परिवहन सेवाएं बंद है। दूर-दराज के केन्द्रों तक छात्रों का पहुंचना मुश्किल हो जाएगा। छात्रों ने ज्ञापन के माध्यम से यह मांग उठाई है कि परीक्षाओं को लेकर पुनर्विचार किया जाए। छात्रों की सुरक्षा को लेकर यह निर्णय बिल्कुल भी उचित नहीं है। छात्रों के लिए यह परीक्षा जानलेवा हो सकती है।

उपचुनाव से पहले अतिथि शिक्षकों को करें नियमित

भोपाल। कोरोना संक्रमण और लॉकडाउन के चलते अटकी शिक्षक भर्ती प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके साथ ही लंबे समय से नियमितीकरण की मांग कर रहे अतिथि शिक्षक भी सक्रिय हो गए हैं। आक्रोशित अतिथि शिक्षकों ने उपचुनाव के पहले अतिथि शिक्षकों को नियमित करने की मांग सरकार से की है। अतिथि शिक्षक समन्वय समिति के प्रदेश अध्यक्ष सुनील सिंह परिहार ने कहा कि अतिथि शिक्षकों के समर्थन में मध्यप्रदेश शासन के गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ प्रभु राम चौधरी ने सत्याग्रह में उपस्थित होकर अतिथि शिक्षकों की मांगों का समर्थन किया था।

कक्षा बारहवीं की परीक्षा की संशोधित समय सारिणी जारी

उमरिया। माध्यमिक शिक्षा मंडल की बारहवीं कक्षा की शेष परीक्षाएं 9 से 16 जून के बीच होंगी माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) ने बारहवीं कक्षा की संशोधित समय सारिणी जारी की है। परीक्षा 9 से 16 जून के बीच ही होंगी, विषयवार तिथि में बदलाव किया गया है। 9 जून को पहली पाली में सुबह 9 से 12 दूसरी पाली में दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक पेपर होगा।

जिला शिक्षा अधिकारी उमेश कुमार धुर्वे ने बताया कि 9 जून को प्रथम पाली में 9 से 12 बजे तक हायर मैथेमैटिक्स तथा दूसरी पाली 2 से 5 बजे तक भूगोल विषय की परीक्षा आयोजित की जाएगी। 10 जून को प्रथम पाली में 9 से 12 बजे तक बुक कीपिंग एवं एकाउंटेंसी , तथा द्वितीय पाली में 2 से 5 बजे तक क्राप प्रोडक्शन एण्ड हार्टिकल्चर, प्रथम प्रश्न पत्र वोकेशनल कोर्स, 11 जून को 9 से 12 बजे तक बायोलाजी तथा 2 से 5 बजे तक अर्थशास्त्र, 12 जून को 9 से 12 बजे तक व्यावसायिक अर्थशास्त्र तथा 2 से 5 बजे तक एनिमल हस्बेण्ड्री मिल्कट्रेड पोल्ट्री फार्मिंग एण्ड फिसरीज की परीक्षा आयोजित की जाएगी।

इसी तरह 13 जून को 9 से 12 बजे तक राजनीति शास्त्र, 2 से 5 बजे तक शरीर रचना क्रिया- विज्ञान एवं स्वास्थ्य, स्टिल लाईफ एण्ड डिजाईन, द्वितीय प्रश्न पत्र वोकेशनल कोर्स तथा 15 जून को 9 से 12 बजे तक केमेस्ट्री तथा 2 से 5 बजे तक विज्ञान के तत्व, भारतीय कला का इतिहास, तृतीय प्रश्न पत्र वोकेशनल कोर्स की परीक्षा आयोजित की जाएगी।

जिला शिक्षा अधिकारी ने परीक्षार्थियों से परीक्षा केन्द्रों में नाक , मुंह को मास्क या नकाब या कपड़े से ढंककर आने के निर्देश दिए है। आपने अभिभावको से आग्रह किया है कि बच्चों को कोविड 19 के संक्रमण से बचने हेतु सभी आवश्यक सावधानियों की जानकारी दें तथा उनका पालन सुनिश्चित कराएं। परीक्षा केंद्रों में नियमों का कडाई से पालन कराया जाएगा। परीक्षा काल में शासन द्वारा यदि कोई सार्वजनिक अवकाश या स्थानीय अवकाश घोषित किया जाता है तो भी परीक्षाएं कार्यक्रम अनुसार आयोजित की जाएगी।

हायर सेकेण्डरी परीक्षा के आयोजन हेतु जिले में 46 परीक्षा केंद्र बनाये गये-जिला शिक्षा अधिकारी उमेश कुमार धुर्वे ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल द्वारा 9 जून से आयोजित होने वाली शेष बचे प्रश्न पत्रों की हायर सेकेण्डरी परीक्षा के आयोजन हेतु जिले में 46 परीक्षा केंद्र बनाये गये है। उन्होने बताया कि परीक्षा केंद्रो में शा. सज्जन उ.मा. उत्कृष्ट विद्यालय, उमरिया , शा.उ.मा.वि., चैरी शा. कन्या उ.मा.वि., उमरिया , शा. उ.मा.वि., करकेली , शा. कन्या उ.मा.वि., बिरसिंहपुर पाली , शा. कन्या उ.मा.वि., चॅदिया , शा. उ.मा.वि., शाहपुर , शा. बालक उ.मा.वि., बीरसिंहपुर पाली , शा. बालक उ.मा.वि. . चॅदिया , शा. उ.मा.वि., अखडार , शा. उ. मा.वि., कोडिया , शा. बालक उ.मा.वि. मानपुर , शा. कन्या उ.मा.वि., मानपुर , शा. उ.मा.वि. , बिजौरी , शा. उ मा.वि., बल्होंड , शा. उ. मा. वि., भरेवा , शा. उ.मा.वि. , नौरोजाबाद , शा. उ.मा.वि., अमरपुर , शा. उ.मा.वि., घुलघुली, शा.उ.मा.वि., सुन्दर दादर , शा. हाई स्कूल बसकुटा , शा. उ.मा.वि., पिनौरा , शा. उ.मा.वि., घुनघुटी , शा. उ.मा.वि., पडवार , शा. उ.मा.वि., उमरिया कालरी, शा.उ.मा.वि. ताला , शा. हाई स्कूल , खलेसर , शा. उ.मा.वि., बड़वाही उमरिया , शा. उ.मा.वि., चन्सुरा, मानपुर, उमरिया , शा. हाई स्कूल पनपथा , शा. .उ.मा.वि, . बन्नौदा (पाली) , शा. आदि. उ.मा.वि., नौगवां , शा. उ.मा.वि, जरहा , शा. उ.मा.वि., सरसवाही, शा.उ.मा.वि., घमोखर , शा. उ.मा.वि., बिलासपुर शामिल है। इसी तरह हाईस्कूल, निगहरी , शा. कन्या उ.मा.वि., नौरोजाबाद , शा. हाईस्कूल, मुड़गुड़ी , शा. उ.मा.वि., वेलसरा , शा. उ.मा.वि., मजमनीकला , शा. उ.मा.वि., मुदरिया , शा. मॉडल उ.मा.वि, करकेली, , शा.हाईस्कूल, कोहका 82 . , ब्लासिंग फ्लावर उ.मा. वि. . बिरसिंहपुर पाली ,सरस्वती उ.मा.वि., मानपुर शामिल है।

बीईई समेत 3 के बयान दर्ज

सतना| रामपुर बघेलान के तत्कालीन कोल्डचेन प्रभारी मनीष वर्मन के खिलाफ हुई शिकायत के मामले में गुरुवार को रामपुर बीईई बद्री ताम्रकार, लेखापाल लवी पाण्डेय और सुपरवाइजर राजेश प्रताप सिंह के बयान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एके अवधिया एवं जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय आरख के समक्ष कलमबद्ध किए गए। गौरतलब है कि बीईई ने बीएमओ के जरिए सीएमएचओ को इस आशय की शिकायत की थी कि मनीष अक्सर शराब के नशे में उनके साथ अभद्रता करता है। इस शिकायत को आधार मानते हुए 31 मई को मूल पदस्थापना स्थल पर भेजते हुए बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता चक्रधर मिश्रा को प्रभार सौंप दिया गया था।

लॉकडाउन में घर को बनाया स्कूल, बच्चों को दे रहीं अंग्रेजी व नैतिक शिक्षा ▶▶ विद्यालय व कोचिंग हो गए थे बंद, इसलिए शुरू की पहल

कोरोना काल में शिक्षादूत बनीं पूर्व मंत्री की बहू नंदनी

ग्वालियर,न.सं.

कोरोना संकट की वजह से लोगों की जिंदगी पूरी तरह बदल गई है और लोग घरों से निकलने में कतराने लगे हैं। लॉकडाउन चार के पहले तक लोगों के घरों से निकलने में पूरी तरह पाबंदी थी और बच्चे घरों में कैद हो गए थे।

जिसकी वजह से उनकी दिनचर्या भी बदल गई और घरों में रहकर उन्हें खेलने को नहीं मिल रहा था, न ही पढ़ने के लिए विद्यालय व शिक्षक मिल रहे थे। ऐसे में पूर्व मंत्री माया सिंह की बड़ी बहू व भाजपा के युवा नेता पीताम्बर प्रताप सिंह की पत्नी नंदनी सिंह झाबुआ गरीब बच्चों के लिए शिक्षादूत बनकर सामने आईं। बच्चों की जिंदगी में रंग भरने के लिए उन्होंने आसपास के झोपड़ियों में रहने वाले बच्चों को घर पर ही शिक्षा देने की ठानी। घर को ही उन्होंने विद्यालय बना दिया और

घर में बच्चों को पढ़ातीं हुईं नंदनी सिंह।

सामाजिक दूरी का पालन करने के साथ ही मास्क पहनाकर बच्चों को शिक्षा देने लगीं।

महाराणा प्रताप नगर स्थित आवास में वह पिछले काफी दिनों से रानीपुरा व आसपास के क्षेत्र के बच्चों को पढ़ा रही हैं। राज परिवार में पली-बढ़ीं नंदिनी उच्च शिक्षित हैं और उनके मन में जरा भी यह भाव नहीं है कि वह राजपरिवार से जुड़ी हैं। वह एक आम शिक्षक की तरह बच्चों को दो घंटे तक अंग्रेजी व नैतिक शिक्षा की बारीकियां सिखा रहीं हैं। बीच-बीच में बच्चों को कम्प्यूटर की भी पढ़ाई करवाती हैं। अपने सास-ससुर व पति के आदर्शों पर चलते हुए वह समाज में मानवता की एक नई मिसाल पेश कर रही हैं। इस नई पहल से कोरोना काल में नीरस हो चुकी बच्चों की जिंदगी में खुशहाली लौटी है और वह अब एक-दूसरे से अंग्रेजी में बात करने लगे हैं। वह बड़े बुजुर्गों के बीच एक मिसाल पेश कर रहे हैं। कोरोनाकाल में शिक्षक बनीं श्रीमती नंदनी सिंह झाबुआ बताती है कि मेरे मन में शुरू से ही बच्चों को पढ़ाने की ललक रही है। जब भी मुझे समय मिलता बच्चों को उंगली पकड़कर पढ़ाने के लिए अग्रसर हो जाती। कोरोना काल में बच्चे घरों पर कैद थे और उनके अंदर कहीं न कहीं नकारात्मकता का भाव जाग रहा था। इसलिए मैंने सोचा की क्यों न अपने घर को ही विद्यालय बना दिया जाए और गरीब व परेशान लोगों के बच्चों को इस संकट में शिक्षा दी जाए। इसलिए आसपास के बच्चों को बुलाकर सामाजिक दूरी का पालन करवाते हुए व मास्क पहनाकर उन्हें शिक्षित करना शुरू कर दिया। पिछले कुछ दिनों से मैं बच्चों को यहीं पर पढ़ा रही हूं। विशेषकर अंग्रेजी, नैतिक शिक्षा आदि पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है।

योग की भी सिखा रहीं बारीकियां

नंदनी सिंह बच्चों को बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें योग की बारीकियां भी सिखा रहीं हैं, ताकि वह शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रहें। वे बताती हैं कि उनका अधिकतर ध्यान बच्चों का मानसिक विकास करना है। इसलिए ऑनलाइन अध्ययन पर विशेष ध्यान देती हैं, ताकि बच्चे इसमें भी दक्ष हो सकें। बच्चों को शिक्षा की प्रेरणा उन्हें बड़ी बहन और बुआ सास से मिली है, जो गरीब व असहाय बच्चों की हमेशा मदद किया करती थीं और उन्हें शिक्षा देती थीं।

हायर सेकेण्डरी के छात्रों को केन्द्र पर एक घंटे पहले आना होगा

दतिया ब्यूरो

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित हायर सेकेण्डरी परीक्षा वर्ष 2020 की शेष बची परीक्षाएं 9 से 16 जून तक प्रातः 9 से दोपहर 12 बजे तक एवं अपरान्ह 2 से शाम 5 बजे तक दो पालियों में आयोजित की जा रही हैं। परीक्षा में शामिल होने वाले समस्त परीक्षार्थियों को केन्द्र पर अनिवार्य रूप से मास्क लगाकर आने के निर्देश दिए गए हैं। मंडल के निर्देशानुसार कोविड-19 के चलते समस्त परीक्षार्थी प्रातःकालीन पाली में प्रातः आठ बजे एवं अपरान्ह पाली में दोपहर एक बजे केन्द्र पर अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करेंगे, ताकि परीक्षार्थियों की थर्मल स्क्रीनिंग कराई जा सके। प्रत्येक परीक्षार्थी अपने मुंह पर मास्क या नकाब लगाकर उपस्थित होगा और यथासंभव अपने साथ सैनिटाइजर एवं पानी की बोतल लेकर केन्द्र पर पहुंचेगा। प्रत्येक परीक्षार्थी शारीरिक का अनिवार्य रूप से पालन करेगा। इसके लिए स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा समुचित प्रयास किए जा रहे हैं।

मास्क अनिवार्य, पेयजल के लिए साथ लाना होगी बोतल

विश्व पर्यावरण दिवस

की आप सभी को

हार्दिक शुभकामनाएं

12वीं के परीक्षार्थी मोबाइल एप या पोर्टल से डाउनलोड कर सकेंगे प्रवेश पत्र

भोपाल|माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा संचालित 12वीं की परीक्षा 9 जून से होगी। मंडल ने परीक्षार्थियों के नए प्रवेश पत्र अपलोड कर दिए हैं। ये परीक्षार्थी एमपी ऑनलाइन पोर्टल या मोबाइल एप से डाउनलोड कर सकते हैं। मंडल ने गुरुवार को इस बारे में आदेश जारी कर दिए। परीक्षा में शामिल हुए विद्यार्थियों के प्रवेश पत्र मूल परीक्षा केंद्र के नाम से ही जारी किए जा रहे हैं। संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी एवं केंद्राध्यक्ष विद्यार्थियों को उप केंद्र की जानकारी देते हुए सभी परीक्षार्थियों को परीक्षा में शामिल कराना सुनिश्चित करेंगे। जिन जिलों में सोशल डिस्टेंसिंग के मद्देनजर सभी परीक्षा केंद्र बदले गए हैं, उनके विद्यार्थियों के प्रवेश पत्र पर नवीन परीक्षा केंद्र अंकित करके जारी किए गए हैं।

माशिमं: हायर सेकंडरी की बाकी परीक्षाओं के नए प्रवेश-पत्र जारी

इंदौर | माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल ने हायर सेकंडरी परीक्षा 2020 के बाकी बचे विषयों की परीक्षा के लिए नए प्रवेश पत्र गुरुवार से जारी कर दिए हैं। छात्र अपनी संबंधित संस्था या एमपी ऑनलाइन पोर्टल से और मोबाइल एप से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। लॉकडाउन या अन्य कारण से जो परीक्षार्थी अपने निवास से कहीं अन्य विस्थापित हो गए हैं, वे उसी जिले में परीक्षा दे सकते हैं, जहां वे अभी मौजूद हैं। वहीं कुछ परीक्षार्थी जो पहले वाले जिले में जाकर परीक्षा देना चाहते हैं तो वे ऑनलाइन आवेदन करने के साथ जिला शिक्षा अधिकारी को सूचित कर सकेंगे।

कोई ऑनलाइन आवेदन नहीं कर पाया तो डीईओ के आदेश पर दे सकेगा परीक्षा

यदि कोई छात्र निर्धारित तारीख में ऑनलाइन आवेदन नहीं कर पाया है, तो ऐसे छात्र को जिला शिक्षा अधिकारी के आदेश पर ही परीक्षा में शामिल होने दिया जाएगा। इसकी सूचना माध्यमिक शिक्षा मंडल को भी देंगे, ताकि कोई भी परीक्षार्थी परीक्षा से वंचित नहीं रहे। सोशल डिस्टेंसिंग के लिए केंद्रों में कुछ परिवर्तन किए हैं, जो नए प्रवेश पत्र पर अंकित रहेंगे।

डीएवीवी • यूजी और पीजी का टाइम टेबल जारी, वेबसाइट पर होगा अपलोड

1 जुलाई से शुरू होगी बीकॉम और बीएससी फाइनल ईयर की परीक्षा, बीए की 8 से

भास्कर संवाददाता | इंदौर

कोरोना संकट के बीच होने वाली यूजी फाइनल ईयर और पीजी फाइनल सेमेस्टर की परीक्षा का टाइम टेबल जारी कर दिया गया है। देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी प्रबंधन इसे वेबसाइट पर भी अपलोड करेगा। बीकॉम, बीए और बीएससी अंतिम वर्ष की परीक्षा 1 जुलाई से शुरू होगी। बीकॉम की 6 और बीएससी की 29 जुलाई तक चलेगी। बीए की परीक्षा 8 से 29 जुलाई तक चलेगी। बीकॉम के 3 परचे ही बचे हैं। इधर, एमकॉम, एमए और एमएससी अंतिम सेमेस्टर की परीक्षा 2 जुलाई से शुरू होगी। एमकॉम की परीक्षा 9 जुलाई को खत्म होगी, जबकि एमए की 18 और एमएससी की 23 जुलाई तक चलेगी।

यूजी की परीक्षा में 43995 और पीजी की परीक्षाओं में 11250 छात्र शामिल होंगे। परीक्षा नियंत्रक डॉ. अशेष तिवारी के अनुसार शासन की गाइडलाइन के अनुसार परीक्षा होगी। 31 जुलाई तक रिजल्ट भी देने का प्रयास करेंगे।

कैसे होगी परीक्षा, तैयारियों की समीक्षा करेंगे कुलाधिपति

इंदौर| देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी सहित सभी स्टेट यूनिवर्सिटी में होने वाली यूजी अंतिम वर्ष की परीक्षा की समीक्षा कुलाधिपति लालजी टंडन करेंगे। वे 6 जून को सभी कुलपतियों के साथ ऑनलाइन बैठक कर परीक्षा से जुड़े एक-एक बिंदु की समीक्षा करेंगे। खासकर कोरोना संकट के चलते रखी जाने वाली सावधानी पर विस्तार से चर्चा करेंगे। इसमें देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी की कुलपति डॉ. रेणु जैन भी शामिल होंगी। बीकॉम, बीए और बीएससी जैसे परंपरागत यूजी कोर्स की अंतिम वर्ष और एमकॉम एमए और एमएससी जैसे पीजी कोर्स के अंतिम सेमेस्टर की परीक्षा जुलाई पहले सप्ताह में होना है। सावधानी और सतर्कता को लेकर राज्य और केंद्र सरकार की गाइडलाइन के संपूर्ण पालन और बाहरी छात्रों की परीक्षा जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा होगी।

आईआईटी, एनआईटी के 150 लोगों को ट्रेनिंग दे रहा आईआईटी इंदौर

इंदौर| आईआईटी इंदौर नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट (एनआईडीएम) के साथ मिलकर तीन सप्ताह का एक ट्रेनिंग प्रोग्राम चला रहा है। हाइड्रो-मटीरियोलॉजिकल एंड एक्सट्रीम इवेंट डिजास्टर मैनेजमेंट विषय पर हो रहे इस प्रोग्राम में दूसरे आईआईटी, एनआईटी और आईआईएम के 150 प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं। ऑनलाइन चल रहे इस प्रोग्राम में देश-दुनिया के 30 से ज्यादा वैज्ञानिक, शिक्षाविद् और शोधकर्ता अपनी बात रखेंगे। आईआईटी के प्रभारी निदेशक डॉ. नीलेश कुमार जैन ने इसका शुभारंभ किया। इसमें एनआईडीएम के कार्यकारी निदेशक मेजर जनरल मनोज कुमार बिंदल भी शामिल हुए। एनआईडीएम के प्रोफेसर अनिल गुप्ता ने पर्यावरण परिवर्तन के कारण आने वाली चुनौतियों के बारे में भारत की योजनाओं और तैयारी के बारे में जानकारी दी। प्रतिभागियों को थ्योरी के साथ प्रयोग के माध्यम से भी विषय की जानकारी दी जाएगी।

आज उपछाया चंद्रग्रहण

नहीं लगेगा सूतक काल • न मंदिरों के पट बंद किए जाएंगे और न ही पूजा-पाठ वर्जित होगी

नजर नहीं आएगा पर मौसम को प्रभावित करेगा

सिटी रिपोर्टर | भोपाल

शुक्रवार को चंद्रग्रहण होगा। हालांकि उपछाया ग्रहण होने से यह भारत में दिखाई नहीं देगा, लेकिन इसका असर मौसम और राशियों पर जरूर पड़ेगा। ज्योतिषियों के अनुसार यह चंद्रग्रहण भले ही देश में न दिखे, लेकिन पृथ्वी के करीब होने से उसका प्रभाव कहीं कम तो कहीं ज्यादा रहेगा। ग्रहण रात 11:15 बजे प्रारंभ होकर रात 2:34 बजे तक रहेगा। ग्रहण का समय 3 घंटे 18 मिनट का होगा। इस दौरान चंद्रमा, पृथ्वी की हल्की छाया से होकर गुजरेगा। ज्योतिषाचार्य विनोद रावत ने बताया कि शुक्रवार को होने वाला चंद्रग्रहण प्रभावी नहीं है। चंद्रमा की छाया मलिन होने के कारण इसे छाया ग्रहण का ही दर्जा दिया गया है। इसका सूतक मान्य नहीं रहेगा। बावजूद इसके चंद्रमा पर पृथ्वी की छाया पड़ने की इस प्रक्रिया का असर राशियों व मौसम पर अवश्य पड़ेगा।

अवधि 3 घंटे 18 मिनट... रात 11:15 बजे शुरू होकर 2:34 बजे तक रहेगा ग्रहण

सत्यनारायण की कथा करें... पं. विष्णु राजोरिया ने बताया कि यह ग्रहण वृश्चिक राशि में होगा। चंद्रमा हल्का पीला दिखेगा। शास्त्रों के अनुसार ऐसे ग्रहण में पूजा-अर्चना की जा सकती है। चूंकि ग्रहण पूर्णिमा पर है, इसलिए भगवान सत्यनारायण की कथा कर सकते हैं।

क्या है उपछाया ग्रहण... धुंधली सी शैडो ही नजर आएगी

उपछाया ग्रहण अर्थात वास्तविक चंद्र ग्रहण नहीं होगा। मतलब यह ग्रहण ऐसी स्थिति में बनता है, जब चंद्रमा पर पृथ्वी की छाया न पड़कर उसकी उपछाया मात्र पड़ती है। उपछाया अर्थात एक धुंधली सी छाया नजर आती है। ग्रहण काल में चंद्रमा कहीं से कटा हुआ होने की बजाय अपने पूरे आकार में नजर आएगा। हालांकि प्रत्येक चंद्र ग्रहण के प्रारंभ होने से पहले चंद्रमा धरती की उपछाया में ही प्रवेश करता है, जिसे चंद्र मालिन्य कहा जाता है। उसके बाद ही चंद्रमा धरती की वास्तविक छाया में प्रवेश करता है, तभी उसे चंद्रग्रहण कहते हैं, लेकिन इस बार ऐसा नहीं होगा। मतलब यह कि चंद्रमा उपछाया में प्रवेश करके ही बाहर निकल जाएगा।

राशियों पर असर... **मेष** : व्यय और तनाव बढ़ेगा। **वृषभ** : यात्रा के योग हैं, सावधानी रखें। **मिथुन** : काम बनेंगे पर आय में कमी आएगी। **कर्क** : धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। **सिंह** : विवाद से बचें। **कन्या** : संपत्ति मिलने के योग। **तुला** : आय के नए स्रोत बनेंगे। **वृश्चिक** : किसी से विवाद न करें। **धनु** : बिगड़े काम बनेंगे। **मकर** : भवन-भूमि के काम होंगे। **कुंभ** : स्वास्थ्य में सुधार होगा। **मीन** : पारिवारिक सुख बढ़ेगा।

21 जून को सूर्य ग्रहण... तीन घंटे से अधिक समय रहेगा

इसी माह 21 जून को मिथुन राशि में खंडग्रास सूर्य ग्रहण होगा। यह भारत में दिखाई देगा, जो सुबह 10 बजकर 9 मिनट पर शुरू होकर दोपहर 1:34 बजे तक रहेगा। ग्रहण का सूतक 20 जून की रात 10 बजकर 9 मिनट से शुरू हो जाएगा। सूतक लगने के साथ ही मंदिरों के पट बंद कर दिए जाएंगे।

5 जुलाई को भी चंद्रग्रहण

5 जुलाई को भी उपछाया चंद्रग्रहण होगा। यह भी भारत में दिखाई नहीं देगा और न इसका सूतक लगेगा। पंडितों के अनुसार इसका असर भी केवल राशियों और मौसम पर ही होगा।

हायर सेकंडरी परीक्षा

ऑनलाइन से चूके तो अब ऑफलाइन आवेदन

सतना| माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा आयोजित हायर सेकंडरी व्यावसायिक परीक्षा के लिए अब छात्र जिला शिक्षा कार्यालय में ऑफ लाइन आवेदन कर सकेंगे। बताया गया कि दूसरे जिलों के छात्रों के लिए बनाई गई इस नई व्यवस्था के लिए ऑनलाइन आवेदन कराए गए थे। मंडल द्वारा जिले को 145 छात्रों की सूची दी गई है, जो दूसरे जिलों से परीक्षा दे रहे थे। अब यह छात्र सतना जिले के परीक्षा केन्द्रों में शेष बचे पेपर देंगे। बताया गया कि स्थगित परीक्षा के शेष विषयों की परीक्षा में सम्मलित होने वाले परीक्षार्थियों के ऑनलाइन प्रवेश पत्र जारी किए जा रहे हैं। जिसे एमपी ऑनलाइन के पोर्टल से डाउन लोड कर प्राप्त किया जा सकेगा।

कंट्रोल रुम स्थापित-माध्यमिक शिक्षा मंडल के निर्देशानुसार जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा कंट्रोल रुम स्थापित कर दिए गए हैं। बताया गया कि परीक्षा का आयोजन 9 से 16 जून के बीच होगा।

कंट्रोल रुम में अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगा दी गई है। किसी भी छात्र को दिक्कत न हो इसके लिए कंट्रोल रुम के मोबाइल जारी किए गए हैं।